भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3400

23 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में मेक इन इंडिया

3400. श्री रमेश बिधूड़ी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं, ताकि इस्पात के आयात को कम किया जा सके और इस्पात की कीमतों को नियंत्रित किया जा सके;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) भारत में इस्पात उत्पादन के लिए मेक इन इंडिया योजना के परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) से (ग)**:** इस्पात आयातों को कम करते हुए घरेलू इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलें निम्नानुसार हैं:

(i) सरकार ने 8 मई, 2017 को घरेलू रूप से विनिर्मित लोहा और इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति को अधिसूचित किया है और इसे बाद में 29 मई, 2019 और 31 दिसंबर, 2020 को संशोधित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अब तक लगभग 22,400 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन से घरेलू इस्पात क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

(ii) इस्पात मंत्रालय द्वारा इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को अधिसूचित किया गया है, जो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित मोटर वाहन (वाहन स्क्रैपिंग इकाई का पंजीकरण और कार्य) नियम, 2021 को संपूरित करेगा, जिससे कि टिकाऊ इस्पात बनाने की सुविधा हेतु स्क्रैप की उपलब्धता में वृद्धि हो सके।

(iii) गैर-मानकीकृत इस्पात के विनिर्माण और आयात को रोकने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को जारी करना।

(iv) इस्पात आयातों के अग्रिम पंजीकरण हेतु इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस)।

(v) 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना।

(vi) केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा उद्योग संघों और स्वदेशी इस्पात उद्योग के अग्रणियों सहित विभिन्न हितधारकों की समस्याओं का निवारण करने के लिए उनके साथ सतत् सहभागिता।

(vii) देश में इस्पात के उपयोग और समग्र माँग में वृद्धि करने के लिए रेलवे, रक्षा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन, नागर विमानन, सड़क परिवहन और राजमार्ग, कृषि और ग्रामीण विकास क्षेत्रों सहित क्षमतावान प्रयोक्ताओं के साथ सतत् सहभागिता।

(viii) सभी संबंधित हितधारकों की सहभागिता के साथ कार्यकुशलता, संधारणीयता और आधुनिकीकरण के लिए इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का एक इको-सिस्टम सृजित किया गया है।

विगत चार वर्षों के दौरान कुछ कार्य निष्पादन मानदंडों के सम्बन्ध में प्रगति का ब्यौरा **अनुलग्नक** में है।

****

(i) क्रूड इस्पात उत्पादन

वर्ष	कच्चा इस्पात	
	उत्पादन (एमटी)	विगत वर्ष में %बदलाव
2017-18	103.13	5.3
2018-19	110.92	7.6
2019-20	109.14	-1.6
2020-21	103.54	-5.1
2021-22 (अप्रैल-फरवरी)	108.99	17.1

(ii) कुल तैयार इस्पात का उत्पादन

वर्ष	कुल तैयार इस्पात	
	उत्पादन (एमटी)	विगत वर्ष की में %बदलाव
2017-18	95.01	3.8
2018-19	101.29	6.6
2019-20	102.62	1.3
2020-21	96.20	-6.3
2021-22 (अप्रैल-नवंबर)	72.07	25.5

(iii) तैयार इस्पात का आयात और निर्यात

वर्ष	कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु/स्टेनलेस + गैर-मिश्र धातु) मात्रा(एमटी)		कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु/स्टेनलेस + गैर-मिश्र धातु) मूल्य (करोड़ रुपये में)	
	आयात	निर्यात	आयात	निर्यात
2017-18	7.48	9.62	39484	46629
2018-19	7.84	6.36	49317	33153
2019-20	6.77	8.36	44683	36726
2020-21	4.75	10.78	32154	47170
जनवरी-फरवरी 2021-22*	4.32	12.30	42283	90770
स्रोत: जेपीसी;*अनंतिम				